राष्ट्रीय संगोष्ठी हेतु सूचना

संगोष्ठी का विषय : दृश्य और कथ्य संदर्भ सिनेमा

(27-29 जनवरी, 2018)

तकनीकी संपन्न यह सदी लगातार दृश्य और कथ्य के संबंधों के नये आयाम गढ़ रही है। विभिन्न माध्यमों के अंतर्संबंध नित नए विकल्प प्रस्तुत कर रहे हैं। वस्तुतः यह दृश्यातिरेक का समय है। कथ्य, दृश्य में परिवर्तित होकर हमारी कल्पनाशीलता को नियंत्रित कर रहा है। स्वाद और गंध की समझ भी अब रंग और बिंबों के माध्यम से हम तक पहुंचती है। पुनरुत्पादन की इस प्रक्रिया में जो तकनीकी कला माध्यमों की वाहक थी वह अब स्वयं कला में परिवर्तित हो चली है। सिनेमा ने अपने मात्र सवा सौ वर्षों के इतिहास में पूरी दुनिया की सामाजिक व्यवस्था में यह गहरा हस्तक्षेप किया है। उसका कथात्मक मौलिक स्वरूप अब आभासी दृश्य माध्यमों का एक छोटा सा हिस्सा भर है। दृश्य के मध्य अब कथ्य के बहुतेरे विकल्प उपस्थित होकर बिंबों के माध्यम से एक ऐसे परिदृश्य को रचते हैं, जिसका अर्थ हमारे अवचेतन को प्रभावित करता है। वर्तमान समय में सिनेमा अध्ययन का यह सर्वथा प्रासंगिक विषय है।

विश्वविद्यालय का प्रदर्शनकारी कला विभाग आगामी 27, 28 व 29 जनवरी, 2018 को परिसर में **दृश्य और कथ्य संदर्भ सिनेमा** विषय पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन कर रहा है। इस राष्ट्रीय संगोष्ठी में संबंधित विषय पर आपसे शोध आलेख आमंत्रित किए जा रहे हैं। संगोष्ठी के व्याख्यान संबंधी विषय एवं कार्य नियमावलीकी विस्तृत जानकारी संलग्न है।

संगोष्ठी हेतु विषय:

- मूक सिनेमा : कथ्य का नया दृश्यपाठ
- दृश्य में कथ्य रचती सिनेभाषा
- गैर कथात्मक सिनेमा के सामाजिक सरोकार (वृत्तचित्र)
- रूपांतरण के विभिन्न विमर्श : साहित्य और सिनेमा
- छोटे पर्दे का नया व्याकरण : संदर्भ मनोरंजन
- आभासी माध्यम : वैकल्पिक मनोरंजन दृश्य पाठ
- विज्ञापन सिनेमा: दृश्य भाषा में भाषा का महत्व
- विखंडित सिनेमाई पाठ : संदर्भ स्त्री
- मनोरंजन पत्रकारिता का बदलता मुहावरा: प्रिंट, छोटा पर्दा और डिजिटल
- कला माध्यम और सेंसर

संगोष्ठी हेतु निर्देशिका:

- संगोष्ठी में सहभागिता हेतु आपको लिखित आलेख प्रस्तुत करना अनिवार्य है। संगोष्ठी समिति इन आलेखों में से उपयुक्त आलेखों का चयन करेगी। शोध आलेख प्राप्त होने की अंतिम तिथि 23 जनवरी, 2018 है। अपना शोध पत्र performingarts.mgahv@gmail.com पर प्रेषित करें।
- यदि अपका आलेख संगोष्ठी हेतु स्वीकृत होता है, तो प्रत्येक वक्ता को आने-जाने का द्वितीय श्रेणी शयनयान रेल किराया देय होगा तथा भोजन एवं आवास की व्यवस्था भी की जाएगी।
- संगोष्ठी में सहभाग होने के लिए प्रत्येक आमंत्रित वक्ता को पंजीयन कराना होगा। पंजीयन शुल्क 1000/- होगा। पंजीयन संगोष्ठी के प्रारम्भ होने के समय ही किया जाएगा।
- प्रत्येक दिन संगोष्ठी दो सत्रों मे आयोजित होगी। एक सत्र में चार विद्वान अपना आलेख पाठ करेंगे।

नोट: संगोष्ठी संबंधी किसी भी समाधान के लिए विभाग के सहायक प्रोफेसर **डॉ. अविचल गौतम,** मो. 08806761470 से, सहायक प्रोफेसर **श्री अभिषेक सिंह,** मो. 09403643318 से तथा **डॉ. सुरभि विप्लव,** मोब. 09404823570 से सुबह 10 से शाम 6 बजे के मध्य संपर्क किया जा सकता है।

(अध्यक्ष)